Result Mitra Daily Magazine

डिप्थीरिया

➢ हालिया संदर्भ :

- हाल ही में पंजाब में एक 3 वर्ष की बच्ची की मौत डिप्थीरिया से हो गई, जो इस वर्ष राज्य में इस प्रकार का पहला मामला हो सकता है।
- अधिकारियों का कहना है कि बच्चों को डिप्थीरिया के खिलाफ टीका नहीं लगाया गया था।
- पंजाब सरकार की अगस्त 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में लगभग 96% बच्चों का पूर्ण टीकाकरण हो गया था।

➢ डिप्थीरिया :

- इस रोग का कारण "कोराइन बैक्टीरियम डिप्थीरी" नामक जीवाणु (Bacteria) होता है।
- यह एक संक्रामक बीमारी है, जो एक से दूसरे में लार, छींक, खांसी आदि के माध्यम से प्रविष्ट करता है।
- यह संक्रमण सामान्यत: कम उम्र के बच्चों (2–11 वर्ष) में होता है।
- वैसे तो यह संक्रमण पूर्णत: 'रोकने योग्य' (Preventable) है, लेकिन Vaccine की खुराक पूर्ण न होने पर इसके संक्रमण का खतरा बना रहता है और समय पर उपचार न किए जाने से बच्चे की मौत भी संभव है।

- यह मुख्यत: श्वसन प्रणाली को प्रभावित करने वाला संक्रमण है।
- इसके सामान्य लक्षणों में बुखार, ठंड लगना, लिम्फ नोड्स में सूजन, सिरदर्द, सांस लेने में तकलीफ आदि शामिल है।
- इस संक्रमण में मृत्यु दर बेहद कम है, लेकिन इसकी संक्रामकता काफी ज्यादा है।

➢ टीकाकरण :

- पूर्ण टीकाकरण इस संक्रमण के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ रोकथाम उपाय है।
- पूर्ण टीकाकरण चरण में 0–16 वर्ष के बच्चों को 7 खुराक की आवश्यकता होती है।
- टीकाकरण प्रक्रिया में एक वर्ष से कम उम्र के बच्चों को 3 खुराक, 2 वर्ष के होने तक DPT यानि डिप्थीरिया, पर्टुसिस एवं टिटनेस का बूस्टर खुराक, 6 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर पांचवी खुराक एवं 10 एवं 16 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर 1-1 खुराक दी जाती है।

➢ डिप्थीरिया का प्रचलन :

- 2023–24 के आंकड़ों के अनुसार, भारत में दर्ज किए गए डिप्थीरिया के कुल मामलों में 84% का योगदान 10 राज्यों– केरल, दिल्ली, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, महाराष्ट्र, असम, नागालैंड, पश्चिम बंगाल एवं कर्नाटक का है।
- WHO के आंकड़ों के अनुसार, भारत में 2018, 2019, 2020, 2021, 2022 एवं 2023 में डिप्थीरिया के क्रमशः 8688, 9622, 3485, 1768, 3286 एवं 3850 मामले दर्ज किए गए।
- इनमें से ज्यादातर मामले बिना टीकाकरण वाले बच्चों से संबंधित थे।
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, 2023–24 में एक वर्ष की आयु वर्ग के 93.5% बच्चों का टीकाकरण किया गया।

Result Mitra TM